पुunा International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

PERIODIC ASSIGNMENT- 1	
GRADE – 6	SUBJECT - HINDI
SYLLABUS - अपठित गदयांश ,	लेखन विभाग , व्याकरण,
वसंत पाठ- 1, 2, 3, 4	बाल रामायण पाठ- 1,2

अपठित विभाग

➢ अपठित गदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1. एक जंगल में परिजात का एक पेड़ था। परिजात का कोई मुकाबला नहीं था। उसकी सुंदरता बेजोड़ थी। उसका रंग-रूप निराला था। परिजात को भी अपने गुणों का पूरा-पूरा पता था। नीले आसमान में सिर उठाए इस शान से खड़ा रहता, मानों पेड़ों का सरताज हो। जब बहार के दिन आते तो परिजात अनगिनत नन्हें-नन्हें फूलों से लद जाता, लगता मानों किसी ने आकाश से सारे तारे तोड़कर परिजात की शाखाओं पर टाँक दिए हो। नन्हें फूलों से झिलमिलाता परिजात जब सुगंध भरी पराग जंगल में बिखेरता तो जंगल नंदन बन जाता। चुंबक की तरह परिजात सबको अपनी तरफ़ खींचता, जिसे देखो, वही परिजात की तरफ़ भागता । सतरंगी शालें ओढ़े चटकीली तितलियाँ सहेलियों के साथ झुंड का झुंड बनाकर परिजात का श्रृंगार देखने आतीं तथा जाते-जाते फूलों को खींचकर ढेरों पराग अपने साथ ले जाती।

➢ प्रश्न

(क) जंगल में किसका पेड़ था?
- परिजात

(ख) परिजात अपने आप को स्वयं क्या समझता था?
- पेड़ों का सरताज

(ग) वह अनगिनत फूलों से कब लद जाता था?
- बहार में

(घ) तितलियाँ क्या करती थीं?
- उसके फूलों का पराग ले जाती थीं

(ङ) इस गद्यांश का शीर्षक है
- परिजात पेड़ों का सरताज

- 2. बढ़ती जनसंख्या ने अनेक प्रकार की समस्याओं को जन्म दिया है- रोटी, कपड़ा, मकान की कमी, बेरोजगारी, निरक्षता, कृषि एवं उद्योगों के उत्पादनों में कमी आदि। हम जितना अधिक उन्नति करते हैं या विकास करते हैं जनसंख्या उनके अनुपात में कहीं अधिक बढ़ जाती है। बढ़ती जनसंख्या के समक्ष सभी सरकारी प्रयास असफल दिखाई देते हैं। कृषि उत्पादन और औद्योगिक विकास बढ़ती जनसंख्या के सामने नगण्य सिद्ध हो रहे हैं। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए जनसंख्या वृधि पर नियंत्रण की अति आवश्यकता है। इसके बिना विकास के लिए किए गए सभी प्रकार के प्रयत्न अधूरे रह जाएँगे।
- प्रश्न

  (क) बढ़ती जनसंख्या ने किसे जन्म दिया है?

  (i) दुर्गुणों को

  (ii) अनेक प्रकार की समस्याओं को

  (iii) दुर्भावनाओं को

  (iv) अनेक प्रकार की विपदाओं को।
- (ख) विकास कार्य क्यों नहीं दिखाई देते ?

  (i) राजनीतिक अक्षमता के कारण

  (ii) समस्याओं के कारण

  (iii) भ्रष्टाचार के कारण

  (iv) जनसंख्या की वृद्धि के कारण
- (ग) बढ़ती जनसंख्या ने इनमें से किस समस्या को जन्म नहीं दिया है?

  (i) रोटी कपड़े की समस्या

  (ii) बेरोजगारी की समस्या

  (iii) निरक्षरता की समस्या

  (iv) दहेज की समस्या
- (घ) बढ़ती जनसंख्या के समक्ष कौन से प्रयास असफल दिखाई देते हैं?

  (i) सभी सरकारी प्रयास

  (ii) सभी मानवीय प्रयास

  (iii) सभी गैर-सरकारी प्रयास

  (iv) सभी सामाजिक प्रयास
- (ङ) "नगण्य" शब्द का सही अर्थ है

  (i) बहुत

  (ii) थोड़ा

  (iii) पर्याप्त

  (iv) अपर्याप्त

3- गरमी के इस प्रकोप से अपने आपको बचाने के लिए मनुष्य ने उपाय खोज निकाले हैं। साधारण आय वाले घरों में बिजली के पंखे चल रहे हैं, जो नर-नारियों की पसीने से रक्षा करते हैं। अमीरों के यहाँ वातानुकूलन यंत्र लगे हैं। समर्थ जन गरमी से बचने के लिए पहाड़ी स्थलों पर चले जाते हैं और ज्येष्ठ की तपती दोपहरी पहाड़ की ठंडी हवाओं में बिताते हैं। प्यास बुझाने के लिए शीतल पेय है बर्फ और बर्फ से बने पदार्थ ग्रीष्म के शत्रु और लोगों के लिए वरदान हैं।

- प्रश्न

(क) गरमी के प्रकोप से बचने के लिए किसने उपाय खोज निकाले हैं?

- मनुष्यों ने

(ख) अमीरों के यहाँ क्या लगे हुए हैं?

- वातानुकूलन के यंत्र

(ग) समर्थ जन गरमी से बचने के लिए कहाँ चले जाते हैं?

- पहाड़ों पर

(घ) प्यास बुझाने के लिए क्या है?

- शीतल पेय

(ङ) गरमी में आम लोगों के लिए क्या है?

- बर्फ और बर्फ से बने पदार्थ

लेखन -विभाग

- अनुच्छेद

1) जीवन में खेल कूद का महत्व

खेल हमारे जीवन का एक एहम हिस्सा है, यह हमारे शारीरिक एवम् मानसिक दोनो ही विकास का श्रोत है. यह हमारे शरीर के रक्त परिसंचरण मे सहायक है, वही दूसरी ओर हमारे दिमागी विकास मे लाभकारी है. खेल व्यायाम का सबसे अच्छा साधन माना जाता है. खेल ही हमारे शरीर को हस्ट-पुस्ट, गतिशील एवं स्फूर्ति प्रदान करने मे सहायक होते है| एक सफल इंसान के लिए चाहिए कि वह मानसिक तथा शारीरिक दोनो रूप से स्वस्थ रहे, मानसिक विकास की शुरुआत हमारे स्कूल के दिनो से होना प्रारंभ हो जाती है, किंतु शारीरिक विकास के लिए व्यायाम ज़रूरी है जो हमे खेलो के माध्यम से प्राप्त होता है|खेल कई तरह के होते है जिन्हे मुख्यतः दो वर्गो मे बाँटा गया है इनडोर एवं आउटडोर. इनडोर खेल जैसे ताश, लुडो, केरम सांपसीडी आदि ये मनोरंजन के साथ साथ बोधिक विकास मे सहायक होते है, वही आउटडोर खेल जैसे क्रिकेट, फूटबॉल, हॉकी, बेटमिंटन, टेनिस, वॉलीबॉल आदि शरीर को स्वस्थ बनाए रखने मे लाभकारी है. इन दोनो वर्गो मे अंतर बस इतना है कि आउटडोर खेलो के लिए बड़े मैदान की आवश्यकता होती है, यह खेल हमारे शरीर के फिटनेस एवं तंदुरुस्त बनाए रखने मे सहायक है जबकि इनडोर खेलो मे ऐसे बड़े मैदान की ज़रूरत नही होती है, यह घर आँगन कही भी खेले जा सकते है. इन खेलो मे सभी पीढ़ी के लोग चाहे बालक,

युवा और चाहे व्रध्य पीढ़ी ही क्यों ना हो, सभी अपनी रूचि रखते है. आउटडोर खेल हमारे शारीरिक विकास मे लाभकारी होते है, वही दूसरी ओर शरीर को स्वस्थ सुडोल तथा सक्रिय बनाए रखते है, जबकि इनडोर खेल हमारे दिमागी स्तर को तेज (चेस) करते है. साथ ही साथ मनोरंजन का उतम स्त्रोत माने जाते है|

2) वन और हमारा पर्यावरण

वन और पर्यावरण का गहरा संबंध है। ये सचमुच जीवनदायक हैं। ये वर्षा लाने में सहायक होते है और धरती की उपजाऊ-शक्ति को बढ़ाती है। वन ही वर्षा के धारासार जल को अपने भीतर सोखकर बाढ़ का खतरा रोकती है। यही रूका हुआ जल धीरें-धीरें सारे पर्यावरण में पुनः चला जाता है। वनों की कृपा से ही भूमि का कटाव रूकता है। सूखा कम पड़ता है तथा रेगिस्तान का फैलाव रूकता है। वन हमारे द्वारा छोड़ी गई गंदी साँसों को कार्बन डाइआक्साइड को भोजन के रूप में ले लेते हैं और बदले में हमें जीवनदायी आक्सीजन प्रदान करते है। इन्हीं जगलो में असंख्य, अलभ्य जीवन-जंतु निवास करते हैं जिनकी कृपा से प्राकृतिक संतुलन बना रहता हे। आज शहरां में लगातार ध्वनि-प्रदूषण बढ़ रहा है। वन और वृक्ष ध्वनि-प्रदूषण भी रोकते है। यदि शहरों में उचित अनुपात में पेड़ लगा दिए जाएँ तो प्रदूषण की भंयकर समस्या का समाधान हो सकता है। परमाणु उर्जा के खतरे को तथा अत्यधिक ताप को रोकने का सशक्त उपाय भी वनों के पास है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल स्त्रोंतो के भंडार है। इनमें ऐसी दुर्लभ वनस्पतियाँ सुरक्षित रहती है जो सारे जग को स्वास्थय प्रदान करती हे। गंगा-जल की पवित्रता का कारण उसमें मिली वन्य औषधियाँ ही है। इसके अतिरिक्त वन हमें लकड़ी, फूल-पत्ती, ख़ाद्य पदार्थ, गोंद तथा अन्य सामान प्रदान करते है। भाग्य से आज भारतवर्ष में केवल 23 प्रशित वन रह गए है। अंधाधुंध कटाई के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। वनों का संतुलन वनाए रखने के लिए 10 प्रतिशत और अधिक वनों की आवश्यकता हे। जैसे-जैसे उद्योगो की संख्या बढ़ती जा रही हे, वाहन बढ़ते जा रहे हैं, वैसे-वैसे वनों की आवश्यकता और अधिक बढ़ती जाएगी।

3) विद्यार्थी और अनुशासन

अनुशासन का अर्थ है-आत्मानुशासन अर्थात् स्वतः प्रेरणा से शासित होना। प्रकृति का समस्त कार्य-व्यापार अनुशासन की सूचना देता है। नियमित जीवन जीने का प्रयत्न ही अनुशासन है। अनुशासन किसी वर्ग या आयु विशेष के लोगों के लिए ही नहीं, अपितु सभी के लिए परम आवश्यक होता है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का विशेष महत्त्व है। जो विद्यार्थी जीवन में उचित अनुशासन में रहकर समय व्यतीत करता है, उसका जीवन-क्रम एक ऐसे व्यवस्थित तथा सफल मार्ग पर चलने का अभ्यस्त हो जाता है कि वह विद्यार्थी जीवन में सफलता और सम्मान तो पाता ही है, भविष्य के लिए मार्ग निर्धारण में भी सफल होता है। अनुशासन विद्यार्थी के जीवन में व्यवस्था का वातावरण बनाता है।इससे नियमित रूप से कार्य करने की क्षमता का विकास होता है। अनुशासन द्वारा कर्तव्य और अधिकार का समुचित ज्ञान होता

है। यह एक ऐसा गुण है जिससे मनुष्य सर्वप्रिय बन जाता है। वास्तव में विद्यार्थियों के लिए अनुशासन एक महत्त्वपूर्ण जीवन-मूल्य है। इसके अभाव में विद्यार्थी का जीवन शून्य बन जाता है। अपने भावी जीवन को आनंदमय बनाने के लिए विद्यार्थियों के लिए यह अति आवश्यक है कि वे अनुशासन में रहें। अनुशासन और सफलता का बड़ा घनिष्ठ संबंध है। जहाँ अनुशासन है, वहीं सफलता है और जहाँ अनुशासनहीनता है, वहाँ असफलता है।

➢ पत्र लेखन

1) प्रधानाध्यापक को अवकाश के लिए पत्र |

सेवा में,
ए० बी० एस० स्कूल
दिल्ली
विषय – प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए पत्र|

आदरणीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके स्कूल के कक्षा सातवीं का छात्र हूँ। मैं कल शाम से बुखार से पीड़ित हूँ इसलिए स्कूल आने में पूरी तरह से असमर्थ हूँ। डॉक्टर ने मुझे अगले तीन – दिन तक विस्तार पर आराम करने के लिए कहा है। मैं अगले तीन – दिन तक स्कूल में अनुपस्थित रहूंगा।

कृपा मुझे क्षमा करें और अगले तीन – दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
संदीप कुमार
कक्षा – 6
रूल नम्बर – 1

2) अपने क्षेत्र की सफ़ाई के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

सेवा में
स्वास्थ्य अधिकारी
नोएडा नगर निगम
सेक्टर-4 गौतमबुद्ध नगर
गाजियाबाद
विषय-मोहल्ले की सफ़ाई के संबंध में पत्र
महोदय

आपको ध्यान नोएडा सेक्टर-4 के क्षेत्र में फैली गंदगी की ओर आकर्षित करना चहता हूँ। यहाँ की सड़कें महीनों से कूड़े से भरी हुई। हैं, रास्ते से निकलना भी दूभर हो चुका है। सड़क के आसपास व खुले स्थानों पर कूड़ा पड़ा है। चारों ओर मच्छरों का साम्राज्य है। गंदगी के

कारण मलेरिया, वायरल तथा डेंगू फैलने का भी खतरा बना हुआ है। यहाँ के सफ़ाई कर्मचारी बहुत लापरवाह हैं। मुश्किल से एक सप्ताह में एक बार आते हैं। कूड़ा उठाने के नाम पर अलग से पैसे की माँग करते हैं। यहाँ कोई कूड़ेदान भी नहीं रखा गया है। अतः आपसे अनुरोध है कि इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करते हुए यहाँ की सफ़ाई व्यवस्था को ठीक कराने की कृपा करें।

सधन्यवाद

नोएडा सेक्टर-4 क्षेत्र के निवासी

दिनांक .....

➢ व्याकरण विभाग

1. भाषा कहते हैं

(i) मन के भावों को बोलकर या लिखकर बताना

(ii) मन के भावों को संकेत द्वारा बताना

(iii) मन के भावों को केवल बोलकर बताना

(iv) मन के भावों को केवल संकेत के द्वारा बताना

2. भाषा के मुख्य रूप हैं

(i) एक **(ii)** दो

(iii) तीन (iv) चार

3. हम प्रतिवर्ष 'हिंद दिवस' मनाते हैं

(i) 14 जनवरी (ii) 14 मई

(iii) 14 सितंबर (iv) 14 अगस्त

4. भाषा का क्षेत्रीय रूप जो स्थान-स्थान पर बदलता रहता है

(i) लिपि (ii) भाषा

(iii) बोली (iv) व्याकरण

5. व्याकरण के कितने अंग होते हैं?

(i) दो (ii) तीन

(iii) चार (iv) पाँच

8. कौन-सी लिपि दाएँ से बाएँ लिखी जाती है?

(i) रोमन (ii) फ़ारसी

(iii) गुरुमुखी (iv) देवनागरी

➢ संज्ञा

1. हिंदी व्याकरण के अनुसार संज्ञा के कितने भेद होते हैं?

- तीन

2. जो शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु- स्थान या प्राणी का बोध कराए, वह कौन सी संज्ञा

है?

(i) व्यक्तिवाचक **(ii)** जातिवाचक

(iii) भाववाचक (iv) इनमें से कोई नहीं

3. 'चावल' शब्द है

(i) भाववाचक (ii) द्रव्यवाचक

(iii) व्यक्तिवाचक (iv) जातिवाचक

4. इन शब्दों में जातिवाचक संज्ञा है

(i) प्रेम **(ii)** अध्यापक

(iii) अपनापन (iv) बुढापा

5. निम्न शब्दों में से भाववाचक संज्ञा है

(i) लिखावट (ii) हिमालय

(iii) नदी (iv) शहर

6. 'आयुष आजकल मन लगाकर पढ़ता है' में संज्ञा शब्द कौन-सा है?

(i) आजकल (ii) ध्यानपूर्वक

(iii) आयुष (iv) पढ़ता है।

➢ कारक

कारक	विभक्ति या कारक चिह्न
1 कर्ता	ने
2. कर्म	को
3. करण	से, द्वारा
4.सम्प्रदान	को, के लिए
5. अपादान	से
6. सम्बन्ध	का, के, की, रा, रे, रो, ना, ने, नी
7. अधिकरण	में, पर
8. सम्बोधन	हे, हो, अरे, अजी, अहो आदि।

1) कर्ता कारक

i) राम ने पत्र लिखा।

(ii) हम कहाँ जा रहे हैं।

(iii) रमेश ने आम खाया।

(iv) सोहन किताब पढ़ता है।

(v) राजेन्द्र ने पत्र लिखा।

2) कर्म कारक

जैसे - (i) अध्यापक , छात्र को पीटता है। (ii) सीता फल खाती है।

(iii) ममता सितार बजा रही है। (iv) राम ने रावण को मारा।

(v) गोपाल ने राधा को बुलाया। (vi) मेरे द्वारा यह काम हुआ।

3) करण कारक

जैसे - (i) बच्चे गेंद से खेल रहे हैं। (ii) बच्चा बोतल से दूध पीता है।

(iii) राम ने रावण को बाण से मारा। (iv) सुनील पुस्तक से कहानी पढ़ता है।

(v) कलम से पत्र लिख है।

4) **संप्रदान कारक–**

(i) गरीबों को खाना दो। (ii) मेरे लिए दूध लेकर आओ।

(iii) माँ बेटे के लिए सेब लायी। (iv) अमन ने श्याम को गाड़ी दी।

(v) मैं सूरज के लिए चाय बना रहा हूँ। (vii) भूखे के लिए रोटी लाओ।

5) अपादान कारक

(i) पेड़ से आम गिरा। (ii) हाथ से छड़ी गिर गई।

(iii) सुरेश शेर से डरता है। (iv) गंगा हिमालय से निकलती है।

(v) लड़का छत से गिरा है। (vi) पेड़ से पत्ते गिरे।

(vii) आसमान से बूँदें गिरी। (viii) वह साँप से डरता है।

6) संबंध कारक

जैसे -(i) सीतापुर, मोहन का गाँव है। (ii) सेना के जवान आ रहे हैं।

(iii) यह सुरेश का भाई है। (iv) यह सुनील की किताब है।

(v) राजा दशरथ का बड़ा बेटा राम था।

7) अधिकरण कारक

जैसे -(i) हरी घर में है। (ii) पुस्तक मेज पर है।

(iii) पानी में मछली रहती है। (iv) फ्रिज में सेब रखा है।

(v) कमरे में अंदर क्या है। (vi) कुर्सी आँगन में बिछा दो।

(vii) महल में दीपक जल रहा है। (viii) मुझमें शक्ति बहुत कम है।

8) संबोधन कारक

जैसे - (i) हे ईश्वर ! रक्षा करो। (ii) अरे ! बच्चो शोर मत करो।

(iii) हे प्रभु ! यह क्या हो गया। (iv) अरे भाई ! यहाँ आओ।

(v) अजी ! तुम उसे क्या मारोगे ?

➢ क्रिया

1. क्रिया का वह रूप, जिससे उसके इसी समय में होने का पता चले, उसे कहते हैं

(i) भूतकाल **(ii)** वर्तमान काल

(iii) भविष्यत् काल (iv) इनमें से कोई नहीं

2. भूतकाल उस काल को कहते हैं, जिसमें–

(i) क्रिया के बीते हुए समय में होने का पता चले।

(ii) क्रिया के इसी समय में होने का पता चले।

(iii) क्रिया के आने वाले समय में होने का पता चले।

(iv) उर्पयुक्त सभी

3. काल के प्रकार होते हैं

(i) दो **(ii)** तीन

(iii) चार (iv) पाँच

4. जब कोई क्रिया हो चुकी हो तो कहलाता है

(i) वर्तमान काल (ii) भविष्यत काल

(iii) भूतकाल (iv) इनमें से कोई नहीं

5. वर्तमान काल उस काल को कहते हैं

(i) कार्य चल रहा होता है।

(ii) कार्य हो चुका होता है।

(iii) कार्य होने की संभावना होती है।

(iv) कार्य होना होता है।

6. 'शायद वह पास हो जाए' वाक्य किस काल का उदाहरण है

(i) भूतकाल **(ii)** भविष्यत् काल

(iii) वर्तमान काल (iv) इनमें से कोई नहीं

9. 'मोहन आने वाला है' वाक्य किस काल के उदाहरण हैं

(i) भूतकाल (ii) वर्तमान काल

(iii) भविष्यत् काल (iv) आसन्न भूतकाल

साहित्य-विभाग

➢ शब्दों के अर्थ लिखिए।

जुण्डी = ज्वार

विजन = निर्धन स्थान , एकांत

गरबीली = स्वाभिमानी

दशक = दस वर्ष

मितली = जी का मचलना

मुँह बोली = प्यारी

जल का मोती = पानी की बूँद

शताब्दी = सौ वर्ष

फ्रिल = झालर

निरा = केवल

कमतर = ज्यादा छोटा
आश्वासन = भरोसा
शेर = कविता
सहल = आसान
दम लेना = विश्राम करना
मरज़ = रोग , बीमारी
पेचीदा = मुश्किल
प्रस्ताव = सुझाव
कोलाहल = शोर
खीजना = क्रोध करना
सुभीतेवाली = आरामदायक
पोशाक = वेषभूषा
गोल हो जाना = गायब हो जाना
तसल्ली = दिलासा
अधीर = बैचेन
चाव = शौक

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. इस संस्मरण में लेखिका किसकी चर्चा कर रही है?
उत्तर- इस संस्मरण में लेखिका अपने बचपन की चर्चा कर रही है।
प्रश्न 2. लेखिका का जन्म किस सदी में हुआ था?
उत्तर- 20वीं सदी में।
प्रश्न 3. लेखिको को सप्ताह में कितनी बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी?
उत्तर- लेखिका को सप्ताह में एक बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी।
प्रश्न 4. हर शनिवार को लेखिका को क्या पीना पड़ता था?
उत्तर- हर शनिवार को लेखिका को ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल पीना पड़ता था।
प्रश्न 5. दुकान में किस ट्रेन का मॉडल था?
उत्तर- दुकान में शिमला-कालका ट्रेन का मॉडल था।
प्रश्न-6 चिड़िया ने कितने अंडे दिए थे?
उत्तर - चिड़िया ने तीन अंडे दिए थे।
प्रश्न-7 चिड़िया ने अंडे कहाँ दिए थे?
उत्तर - चिड़िया ने अंडे कार्निस पर दिए थे।
प्रश्न-8 यकायक श्यामा की नींद कब खुली?
उत्तर - यकायक श्यामा की नींद चार बजे खुली।
प्रश्न-9 टूटे अंडों से क्या चीज़ बाहर निकल आई थी?
उत्तर - टूटे अंडों से उजला उजला पानी बाहर निकल आई थी।
प्रश्न-10 केशव अंडों को देखने के लिए कार्निस तक कैसे पहुँचा था?
उत्तर - केशव अंडों देखने के लिए कार्निस तक स्टूल की मदद से पहुँचा था।
प्रश्न-11 माँ ने बच्चों को बाहर निकलने से क्यों मना किया था?
उत्तर - माँ ने बच्चों को बाहर धूप के कारण निकलने से मना किया था।
प्रश्न-12 श्यामा भाई से बार - बार क्या आग्रह कर रही थी?
उत्तर - श्यामा भाई से बार - बार अंडे दिखाने के लिए आग्रह कर रही थी।

प्रश्न-13 चिड़िया के पंख किस रंग के हैं?

उत्तर- चिड़िया के पंख नीले रंग के हैं।

प्रश्न-14 चिड़िया कहाँ से मोती ले जाती है?

उत्तर- चिड़िया नदियों के उफनते जल से मोती ले जाती है।

प्रश्न-15 चिड़िया किसके दाने खाती है?

उत्तर- चिड़िया जुडी के दाने खाती है।

प्रश्न-16 अनाज के दाने किससे भरे हुए हैं?

उत्तर- अनाज के दाने दूध से भरे हुए हैं।

प्रश्न-17 चिड़िया का स्वभाव कैसा है?

उत्तर- चिड़िया का स्वभाव संतोषी है।

प्रश्न 18 चाँद की पोशाक की क्या विशेषता है?

उत्तर- आकाश के चारों तरफ फैली हुई है।

प्रश्न-19 कवि के अनुसार चाँद को क्या बीमारी है?

उत्तर- तिरछे रहने की।

प्रश्न-20 लड़की चाँद के घटने बढ़ने का क्या कारण बताती है?

उत्तर- लड़की कहती है कि चाँद किसी बीमारी से ग्रस्त होने के कारण घटता-बढ़ता है।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1 यह 'मरज़' आपको अच्छा ही नहीं होने में आता है, का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- चाँद पंद्रह दिन अमावस्या के अगले दिन से लेकर पूर्णिमा तक बड़ा होता है। पूर्णिमा के अगले दिन से अमावस्या तक फिर छोटा होता चला जाता है। चाँद को यह क्रम निरंतर चलता रहता है|

प्रश्न-2 लेखिका बचपन में कौन-कौन सी चीजें मज़ा ले-लेकर खाती थी ?

उत्तर- लेखिका बचपन में कुल्फ़ी, शहतूत, फ़ाल्से के शरबत, चॉकलेट, पेस्ट्री तथा फले मजे ले-लेकर खाती थी। कुछ प्रमुख फल काफ़ल और चेस्टनट हैं।

प्रश्न-3 टोपी के संबंध में लेखिका क्या सोचती थी?

उत्तर- लेखिका बचपन के दिनों में सिर पर टोपी लगाना पसंद करती थी। उनके पास कई रंगों की टोपियाँ थीं।उनका कहना है कि सिर पर हिमाचली टोपी पहनना आसान था जबकि सिर पर दुपट्टा रखना थोड़ा कठिन काम।

प्रश्न-4 उम्र बढ़ने के साथ-साथ लेखिका के पहनावे में क्या-क्या बदलाव हुए हैं?

उत्तर- उम्र बढ़ने के साथ-साथ लेखिका के पहनावे में और रहन-सहन में जमीन-आसमान का अंतर आ गया है। बचपन में लेखिका रंग-बिरंगी पोशाकें पहनती थी। जैसे पहले फ्रॉक, उसके बाद , स्कर्ट, लहँगे इत्यादि। वर्तमान परिवेश में वे चूड़ीदार पजामी और ऊपर से घेरेदार कुर्ता पहनती हैं।

प्रश्न-5 कविता के आधार पर चिड़िया के स्वभाव का वर्णन कीजिए।

उत्तर- इस कविता में नीले पंखोंवाली एक छोटी-सी चिड़िया का वर्णन है। इस चिड़िया का स्वभाव संतोषी है। थोड़े से दाने इसके लिए पर्याप्त हैं। यह मुँह बोली है। यह एकांत में उमंग से गाती है। यह गरबीली भी है।इसे अपने साहस और हिम्मत पर गर्व है।

प्रश्न-6 चिड़िया किससे प्यार करती है और क्यों?

उत्तर- इस छोटी चिड़िया को अन्न से प्यार है। यह जुडी के दाने बड़े मन से खाती है। उसे विजन से प्यार है। उसे नदी से भी प्यार है। एकांत जंगल में वह मधुर स्वर में गाती है। वह उफनती नदी की बीच धारा से जल की बूंदें अपनी चोंच में लेकर उड़ जाती है।

प्रश्न-7 चिड़िया अपना जीवन कैसे व्यतीत करती है?

उत्तर- चिड़िया अपना जीवन प्रेम, उमंग और संतोष के साथ व्यतीत करती है। वह सबसे प्रेम करती है। एकांत में भी उमंग से रहती है। वह संतोषी है। वह थोड़े में ही संतोष करती है। आजाद होने की वजह से वह मीठे स्वर में गाती है। उसका स्वर बहुत मीठा है। वह गाते और उड़ते हुए अपना पूरा जीवन व्यतीत करती है।

प्रश्न -8 चिड़िया के माध्यम से कवि हमें क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर- कवि चिड़िया के माध्यम से खुशी से जीने का संदेश हमें देते हैं। चिड़िया के माध्यम से हमें सीख मिलती है कि हमें थोड़े में ही संतोष करना चाहिए। इसके साथ ही कवि हमें बताते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में भी हमें साहस नहीं खोना चाहिए। हमें अपनी क्षमता को भी पहचानना चाहिए।

प्रश्न-9 केशव श्यामा को अंडे क्यों नहीं देखने दे रहा था?

उत्तर - केशव श्यामा को अंडे इसलिए नहीं देखने दे रहा था क्योंकि श्यामा उससे छोटी थी और उसे डर था कि कहीं वह अंडे देखने में स्टूल से गिर न जाए और उसे इसके लिए अम्माँ से डाँट न खानी पड़े।

प्रश्न-10 "यह मरज़ आपका अच्छा ही नहीं होने में आता है।"इस कविता द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर - कवि यह कहना चाहता है कि चाँद को कोई बीमारी हैजो कि अच्छा होता हुआ प्रतीत नहीं होता क्योंकि जब ये घटते हैं तो केवल घटते ही चले जाते हैं और जब बढ़ते हैं तो बिना रूके दिन प्रतिदिन निरन्तर बढ़ते ही चले जाते हैं। तब-तक, जब-तक ये पूरे गोल न हो जाए। कवि की नज़र में ये सामान्य क्रिया नहीं है।

रामायण
पाठ -1 ,2

प्रश्न-1 अयोध्या नगरी किस नदी के किनारे बसी थी और किस राज्य की राजधानी थी?

उत्तर - अयोध्या नगरी सरयू नदी के किनारे बसी थी और यह कोसल राज्य की राजधानी थी।

प्रश्न-2 राजा दशरथ को क्या दुःख था?

उत्तर- राजा दशरथ को यह दुःख था कि उनकी कोई संतान न थी।

प्रश्न-3 राजा दशरथ की कितनी पत्नियाँ थीं?

उत्तर - राजा दशरथ की तीन पत्नियाँ थीं - कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा।

प्रश्न-4 राजा दशरथ के कुल गुरु कौन थे?

उत्तर- राजा दशरथ के कुल गुरु महर्षि वशिष्ठ थे ।

प्रश्न-5 पुत्र प्राप्ति के लिए राजा दशरथ ने कौन सा यज्ञ किया?

उत्तर - पुत्र प्राप्ति के लिए राजा दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ किया ।

प्रश्न-6 यज्ञशाला कहाँ बनाई गई?

उत्तर - यज्ञशाला सरयू नदी के किनारे बनाई गई ।

प्रश्न-7 यज्ञ में किन्हें आमंत्रित किया गया?

उत्तर - यज्ञ में अनेक राजाओं और ऋषि मुनियो को आमंत्रित किया गया ।

प्रश्न-8 महर्षि विश्वामित्र के आश्रम का क्या नाम था ?

उत्तर- महर्षि विश्वामित्र के आश्रम का नाम सिद्धाश्रम था ।

प्रश्न-9 रघुकुल की क्या रिति थी?

उत्तर - रघुकुल की रिति थी कि वचन का पालन प्राण देकर भी करना चाहिए ।

प्रश्न-10 महर्षि विश्वामित्र राम के साथ और किसे अपने साथ ले गए ?

उत्तर- महर्षि विश्वामित्र राम के साथ लक्ष्मण और किसे अपने साथ ले गए ।

प्रश्न-11 महर्षि वशिष्ठ ने राजा दशरथ को क्या समझाया ?

उत्तर - महर्षि वशिष्ठ ने राजा दशरथ को राम की शक्ति के बारे में, प्रतिज्ञा तोड़ने के बारे में और के साथ रहने पर राम को होने वाले लाभ के बारे में समझाया ।

प्रश्न-12 राजमहल से निकल कर महर्षि विश्वामित्र किस ओर बढ़े ?

उत्तर- राजमहल से निकल कर महर्षि विश्वामित्र सरयू नदी की ओर बढ़े ।

प्रश्न-13 अयोध्या नगरी सरयू नदी के किस तट पर थी ?

उत्तर- अयोध्या नगरी सरयू नदी के दक्षिणी तट पर थी ।

प्रश्न-3 चलते समय राम और लक्ष्मण की नज़र कहाँ थी ?

उत्तर - चलते समय राम और लक्ष्मण की नज़र महर्षि विश्वामित्र के सधे कदमो की ओर थी ।

प्रश्न-4 चिड़ियों के झुण्ड कहाँ जा रहे थे ?

उत्तर - चिड़ियों के झुण्ड अपने बसेरे की ओर लौट रहे थे ।

प्रश्न-5 आसमान का रंग कैसा हो गया था ?

उत्तर - आसमान का रंग मटमैला-लाल हो गया था ।

प्रश्न-6 सुंदर वन में कोई क्यों नहीं जाता था ?

उत्तर- ताड़का के डर से कोई सुंदर वन में नहीं जाता था क्योंकि जो भी आता ताड़का उसे मार

डालती |

प्रश्न-7 सुंदर वन का नाम ताड़का वन कैसे पड़ा ?

उत्तर- ताड़का का डर सुंदर वन में इतना था कि सुंदर वन का नाम ताड़का वन पड़ गया था ।

प्रश्न-8 ताड़का वन कब भयमुक्त हो गया?

उत्तर- ताड़का के मरने के बाद में ताड़का वन भयमुक्त हो गया ।

प्रश्न-9 मारीच क्यों क्रोधित था ?

उत्तर - मारीच यज्ञ के अलावा इस बात से क्रोधित था कि राम- लक्ष्मण ने उसकी मां को मारा था ।